### Syllabus and Blue-Print for Final Examination Session: 2022-23

Class: IX

Subject	Syllabus	Blue Print
English	Section A - Reading Comprehension Section B – Grammar & Writing Skills  Tenses  Modals  Subject – Verb Concord  Reported Speech  Determiners  Descriptive Paragraph  Diary Entry  Story  Section C - Literature Beehive Prose  The Fun They Had  The Sound of Music (I, II)  The Little Girl  A Truly Beautiful Mind  The Snake and the Mirror  My Childhood  Reach for the Top (I, II)  Kathmandu  If I Were You Poems  The Road Not Taken  Wind  Rain on the Roof  The Lake Isle of Innisfree  A Legend of the Northland  No Men are Foreign  On Killing a Tree  A Slumber Did My Spirit Seal Moments  The Lost Child  The Adventures of Toto  Iswaran the Storyteller  In the Kingdom of Fools  The Last Leaf  A House is not a Home  The Beggar	Reading Comprehension - 20 marks (10 marks MCQ) Grammar - 10 marks (Gap Filling / Editing / Transformation) Writing Skills - 10 marks Literature - 40 marks Reference to the Context (MCQ) - I. One extract out of two from drama / prose. II. One extract out of two from poetry. (5+5=10) Short & Long Answer Questions - I. Four out of Five Short Answer Type Questions to be answered in 40-50 words from the book BEEHIVE. 3x4=12 marks II. Two out of Three Short Answer Type Questions to be answered in 40-50 words from the book MOMENTS. 3x2=6 marks III. One out of two Long Answer Type Questions from BEEHIVE to be answered in about 100-120 words to assess creativity, imagination and extrapolation beyond the text and across the texts. This can also be a passage-based question taken from a situation/plot from the texts. 6 marks IV. One out of two Long Answer Type Questions from MOMENTS on theme or plot involving interpretation, extrapolation beyond the text and inference or character sketch to be answered in about 100-120 words. 6 marks

कक्षा 9वीं हिंदी 'ब' (कोड सं. 085) -परीक्षाओं हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन 2022-23

- प्रश्नपत्र दो खंडों, खंड 'अ' और 'ब' में विभक्त होगा।
- खंड 'अ' में 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे जाएँगे, जिनमें से केवल 40 प्रश्नों के ही उत्तर देने होंगे।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे। प्रश्नों में उचित आंतरिक विकल्प दिए जाएँगे।
- भारांक-{80(वार्षिक परीक्षा)+ 20 (आंतरिक परीक्षा)

निर्धारित समय- 3 घंटे भारांक-80

	परीक्षा भार विभाजन				
	विषयवस्तु	भार			
	खंड अ (वस्तुपरक प्रश्न)	40			
1	अपठित गद्यांश	10			
	अ दो अपठित गद्यांश (लगभग 200 शब्दों के) विना किसी विकल्प के	10			
	(1x5=5)+(1x5=5) (दोनों गद्यांशों में एक अंकीय पाँच-पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे)				
	व्यावहारिक व्याकरण के आधार पर बहुविकल्पात्मक प्रश्न (1 अंक x16 प्रश्न)				
2	कुल प्रश्नों के उत्तर देने होंगे 16 जिनमें से केवल ,प्रश्न पूछे जाएँगे 21।	16			
	i शब्द और पद (2 अंक) (बिना किसी विंकल्प के) (2 में से 2 प्रश्न)	02			
	ii अनुस्वार (1 अंक), अनुनासिंक (1 अंक) (3 में से 2 प्रश्न)	02			
	iii उपसर्ग (2 अंक), प्रत्यय (2 अंक) (5 में से 4 प्रश्न)	04			
	iv स्वर संधि (3 अंक) (4 में से 3 प्रश्न)	03			
	v विराम-चिहन (3 अंक) (4 में से 3 प्रश्न)	03			
	vi अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद (2 अंक) (3 में से 2 प्रश्न)	02			
3	पाठ्यपुस्तक स्पर्श, भाग-1	14			
	काव्य खंड	07			
	पठित पद्यांश पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पी प्रश्न। (1x5)	05			
	स्पर्श (भाग-1) से निर्धारित कविताओं के आधार पर एक अंकीय दो बहुविकल्पी प्रश्न पूछे	02			
	जाएँगे। (1x2)				
	गद्य खंड	07			
	पठित गद्यांश पर एक अंकीय पाँच बहुविकल्पी प्रथन। (1x5)	05			
	स्पर्श (भाग-1) से निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर विद्यार्थियों की उच्च चिंतन क्षमताओं एवं	02			
	अभिव्यक्ति का आकलन करने हेतु एक अंकीय दो बहुविकलपी प्रश्न पूछे जाएँगे। (1x2)				

Hindi

		खंड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)		40
4	पाद	्यपुस्तक स्पर्श, भाग-1		12
		स्पर्श (गद्य खंड) से निर्धारित पाठों के आधार पर तीन में से दो प्रश्न	पूछे जाएँगे।	06
	1	(3 अंक x 2 प्रश्न) (लगभग 60 शब्द)		
	2	स्पर्श (काव्य खंड) से निर्धारित पाठों के आधार पर तीन में से दो प्रश्न	पूछे जाएँगे।	06
		(3 अंक x 2 प्रश्न) (लगभग 60 शब्द)		
	**	क पाठ्यपुस्तक संचयन भाग - 1		06
	पूर	क पाठ्यपुस्तक संचयन के निर्धारित पाठों से तीन में से दो प्रश्न पूछे जाएँगे, वि	जेनका उत्तर	06
	लग	भिग 60 शब्दों में देना होगा। (3 अंक x 2 प्रथन)		
	लेख	न		22
5				
	i	संकेत बिंदुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुड़े हुए	किन्हीं तीन	06
		विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अन्दर्ध		
		(6 अंक x1 प्रश्न) (विकल्प सहित)		
	ii	अभिव्यक्ति की क्षमता पर केंद्रित व्यावहारिक विषयों में से किसी एक विषय	पर लगभग	06
		120 शब्दों में अनौपचारिक पत्र। (6 अंक x 1 प्रश्न)		
	iii	चित्र वर्णन- चित्र में दिखाई दे रहे दृश्य /घटना का कल्पनाशक्ति से लगभग 10	०० शब्दों में	05
		वर्णन। (विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप से चित्र से ही संबद्ध हो	ना चाहिए)	
		(बिना किसी विकल्प के)		
	iv	दी गई परिस्थितियाँ के आधार पर संवाद लेखन। (लगभग 100 शब्दों में)		05
		(विकल्प सहित)		
क	ल			80
		आंतरिक मूल्यांकन	अंक	20
	अ	सामयिक आकलन	5	
	ब	बहुविध आकलन	5	
	स पोर्टफ़ोलियो 5			
	द श्रवण एवं वाचन 5			
		कुल		100

#### निर्धारित पुस्तकें:

- स्पर्श, भाग-1, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण
- संचयन, भाग-1, एन.सी.ई. आर.टी., नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित नवीनतम संस्करण

## नोट : निम्नलिखित पाठों से प्रश्न नहीं पूछे जाएँगे-

स्पर्श(भाग -1)	धर्म की आड़ (पूरा पाठ)   आदमीनामा (पूरा पाठ)   एक फूल की चाह (पूरा पाठ)
संचयन(भाग-1)	हार्मिद खाँ (पूरा पाठ)   दिये जल उठे (पूरा पाठ)

UNIT NO.	CHAPTER NO.	NAME OF THE CHAPTER	MARKS
I	Chapter: 1	Number Systems	10
П	Chapter: 2	Polynomials	20
1	Chapter: 4	Linear Equations in Two Variables	
Ш	Chapter: 3	Coordinate Geometry	04
	Chapter: 5	Introduction to Euclid's Geometry	
	Chapter: 6	Lines and Angles	
IV	Chapter: 7	Triangles	27
	Chapter: 8	Quadrilaterals	
	Chapter: 10	Circles	
v	Chapter: 12	Heron's Formula	13
V	Chapter: 13	Surface Areas and Volumes	13
VI	Chapter: 14	Statistics	06
	TOTAL		80

Mathematics

TYPE OF QUESTIONS	NO. OF QUESTIONS	TOTAL MARKS
MCQ (1 Mark)	18	18
Assertion and Reason (MCQ)(1 Mark)	02	02
2 Marks Questions	05	10
3 Marks Questions	06	18
4 Marks Questions (Case Based Questions)	03	12
5 Marks Questions	04	20
Total	38	80

	Reading-(15marks)	(MCQ=9 marks)
	অপঠিতগদ্যাংশ	(2×3=6 marks)
		(2×3=0 marks)
	Writing-(25marks)	
	● গল্প লিখন	(5×1=5 marks)
	ফকৰাযোজনা (12,13,14 )	(5×1=5 marks)
	<ul> <li>খণ্ডবাক্য (কঁকাল, কপাল)</li> </ul>	(1×5=5 marks)
	● প্রতিবেদন	(5×1=5 marks)
	ভাৱ সম্প্ৰসাৰণ (১০,১১,১২)	(5×1=5 marks)
	Grammar(20marks)	
	<ul> <li>বিশেষ্য,বিশেষণ,সর্বনাম,</li> </ul>	(1×10=10 marks)
	অব্যয়, ক্রিয়া	(1×4=4 marks)
Assamese	<ul> <li>লিংগ</li> </ul>	(1×4=4 marks)
11550011050	স্বৰসন্ধি	(1×2=2 marks)
	• কৃৎ প্রত্যয়	(1-2-2 111111111)
	Literature(20marks)	
	পদ্য ভাগ	(1×4=4 marks)
	• মোৰ দেশ	(2×1=2marks)
	_	(4×1=4 marks)
	• মানৱ বন্দনা	
	● প্রচণ্ড ধুমুহাই	
	গদ্যভাগ	(1×4=4 mayles)
	অন্যৰ প্ৰতি ব্যৱহাৰ	(1×4=4 marks)
	অন্ধবিশ্বাস আৰু কুসংস্কাৰ	(2×1=2marks)
	• যুঁজ	(4×1=4 marks)
	<u> </u>	

FRENCH (CODE: 018)

CLASS - IX (2022-2023)

Time: 3 hours M. Marks: 80 + 20 A) Reading Section: 10 marks

One unseen prose passage (factual/descriptive) (150 words)

(with a picture/diagrammatically represented data)

French

B) Writing Section: 20 marks

One long composition (Informal letter) 80 words

Two short compositions -: (recipe/ message/ postcard/ description of a person with visual input and clues) (30-35 words)

C) Grammar Section: 30 marks

Demonstrative adjectives, verbs (présent, futur proche, futur simple, pronominal verbs, passé composé, impératif, imparfait), question formation (excluding interrogative adjectives and pronouns), negatives, personal pronouns, simple relative pronouns.

## D) Culture and Civilisation: 20 marks

Question based on the textbook:

- a) Short answer questions 5 x 2 10 marks
- b) MCQ (True or false/match the following/ 10 marks

fill in the blanks) (Any 2)

- 1. L. 1 La famille
- 2. L. 2 Au lycée
- 3. L. 3 Une journée de Pauline
- 4. L. 4 Les saisons
- 5. L. 5 Les voyages
- 6. L. 6 Les loisirs et les sports
- 7. L. 7 L'argent de poche
- 8. L. 8 Faire des achats

#### E) Internal Assessment : 20 marks

As per CBSE guidelines for all subjects:

- i. Subject enrichment activity (ASL) 5
- ii. Portfolio 5
- iii. Periodic Tests 5
- iv. Multiple Assessments 5

# (Please refer to the latest guidelines issued by the CBSE on their website from time to time)

It is recommended that listening and speaking skills be regularly practiced and art-integrated projects based on activities like role play, skit and dramatisation should be encouraged.

#### **Prescribed textbook:**

Entre Jeunes, Class IX (CBSE)

Textbook Lessons 1-8.

	वार्षिकमूल्याङ्कनाय निर्मिते प्रश्रपत्रे चत्वारः खण्डाः भ	विष्यन्ति	
	वाविकर्नुत्वाङ्कराच निर्मात प्रत्रवत्र वत्वादः खण्डाः म	गवव्याना –	
	'क' खण्डः अपठित <b>– अवबोधनम्</b>	<b>10 अङ्काः</b>	T:
	'ख' खण्डः रचनात्मक – कार्यम्	<b>15 अङ्काः</b> 40 कालांश	Γ:
	'ग' खण्डः अनुप्रयुक्त – व्याकरणम्	25 अङ्काः 55 कालांशा	ī:
	'घ' खण्डः पठित 🗕 अवबोधनम्	30 अङ्काः 80 कालांश	T:
	खण्डानुसारं विषयाः मूल्यभारः च		
	क्र. सं. विषयाः	प्रश्नप्रकाराः	मूल्यभार
	27.01	'क' खण्ड:	6
	अपटि	5त – अवबोधनम्	
	1. एकः गद्यांशः (80-100 शब्दपरिमितः)	1	1×2=2
		पूर्णवाक्यात्मकौ	2×2=4
		शीर्षकम् (लघूत्तरात्मकः)	1×1=1
nskrit		भाषिककार्यम् (बहुविकल्पात्मकाः)	1×3=3
		पूर्णभारः	10 अङ्का
		'ਕ' खण्ड:	
	1		
	रच-	नात्मक 🗕 कार्यम्	
	रचन् 2. औपचारिकम् अथवा अनौपचारिकं पत्रम्		5
	<ol> <li>औपचारिकम् अथवा अनौपचारिकं पत्रम् (पूर्णं पत्रं लेखनीयम्)</li> </ol>		5
	2. औपचारिकम् अथवा अनौपचारिकं पत्रम्		5 1×5=5
	<ol> <li>औपचारिकम् अथवा अनौपचारिकं पत्रम् (पूर्णं पत्रं लेखनीयम्)</li> </ol>	निबन्धात्मकः पूर्णवाक्यात्मकाः/ निबन्धात्मकः	
	औपचारिकम् अथवा अनौपचारिकं पत्रम्	निबन्धात्मकः पूर्णवाक्यात्मकाः/ निबन्धात्मकः	1×5=5
	औपचारिकम् अथवा अनौपचारिकं पत्रम्	निबन्धात्मकः  पूर्णवाक्यात्मकाः/ निबन्धात्मकः  पूर्णवाक्यात्मकः	1×5=5 1×5=5
	अौपचारिकम् अथवा अनौपचारिकं पत्रम् (पूर्णं पत्रं लेखनीयम्)     चित्रवर्णनम् अथवा अनुच्छेदलेखनम्     हिन्दी/आङ्ग्लभाषातः संस्कृतेन अनुवादः	निबन्धात्मकः  पूर्णवाक्यात्मकः/ निबन्धात्मकः  पूर्णवाक्यात्मकः <b>पूर्णभारः</b>	1×5=5 1×5=5
	अौपचारिकम् अथवा अनौपचारिकं पत्रम् (पूर्णं पत्रं लेखनीयम्)     चित्रवर्णनम् अथवा अनुच्छेदलेखनम्     हिन्दी/आङ्ग्लभाषातः संस्कृतेन अनुवादः	निबन्धात्मकः  पूर्णवाक्यात्मकाः/ निबन्धात्मकः  पूर्णवाक्यात्मकः  पूर्णभारः  'ग' खण्डः	1×5=5 1×5=5
	अौपचारिकम् अथवा अनौपचारिकं पत्रम् (पूर्णं पत्रं लेखनीयम्)     चित्रवर्णनम् अथवा अनुच्छेदलेखनम्     हिन्दी/आङ्ग्लभाषातः संस्कृतेन अनुवादः     अनुप्रः	निबन्धात्मकः  पूर्णवाक्यात्मकः/ निबन्धात्मकः  पूर्णवाक्यात्मकः  पूर्णभारः  'ग' खण्डः  युक्त – व्याकरणम्	1×5=5 1×5=5 15 अङ्का

8.

कारक-उपपदविभक्तयः

बहुविकल्पात्मकाः

1×4=4

9.	प्रत्ययाः	बहुविकल्पात्मकाः	1×3=3
10.	सङ्घ्याः	लघूत्तरात्मकाः	½×4=2
11.	उपसर्गाः	लघूत्तरात्मकाः	½×4=2
12.	अव्ययानि	लघूत्तरात्मकाः	½×4=2
		पूर्णभारः	25 अङ्काः
	'घ' ख	(ण्ड:	
	पठित 🗕 अ	ग्वबोधनम् <b></b>	
13.	गद्यांशः	अति-लघूत्तरात्मकौ	½×2=1
		पूर्णवाक्यात्मकौ	1×2=2
		लघूत्तरात्मकौ (भाषिककार्यम्)	1×2=2
14.	पद्यांशः	अति-लघूत्तरात्मकौ	½×2=1
		पूर्णवाक्यात्मकौ	1×2=2
		लघूत्तरात्मकौ (भाषिककार्यम्)	1×2=2
15.	नाट्यांशः	अति-लघूत्तरात्मकौ	½×2=1
		पूर्णवाक्यात्मकौ	1×2=2
		लघूत्तरात्मकौ (भाषिककार्यम्)	1×2=2
16.	प्रश्ननिर्माणम्	पूर्णवाक्यात्मकाः	1×4=4
17.	अन्वयः अथवा भावार्थः	निबन्धात्मकः	3
18.	घटनाक्रमानुसारं वाक्यलेखनम्	निबन्धात्मकः	½×8=4
19.	(क) प्रसङ्गानुसारम् अर्थस्य चयनम्	लघूत्तरात्मकाः	½×4=2
	(ख) शब्दानाम् अर्थैः सहमेलनम्	लघूत्तरात्मकाः	½×4=2
		पूर्णभारः	३० अङ्काः

प्रश्नप्रकारः	प्रश्नानां सङ्ख्या	विभाग-सङ्ख्या	प्रतिप्रश्रम् अङ्कभारः	आहत्याङ्काः
अति-लघूत्तरात्मकाः ½ अङ्कः	2+2+2=6	3	1/2	3
अति-लघूत्तरात्मकाः 1 अङ्कः	2=2	1	1	2
बहुविकल्पात्मकाः 1 अङ्क	3+4+4+4+3=18	5	1	18
लघूत्तरात्मकाः ½ अङ्कः	4+4+4+4=20	5	1/2	10
लघूत्तरात्मकाः 1 अङ्कः	2+2+2+1+4=11	5	1	11
दीर्घोत्तरात्मकाः ½ अङ्कः	8=8	1	1/2	4
दीर्घोत्तरात्मकाः 1 अङ्कः	5+5+2+2+2+4=20	6	1	20
दीर्घोत्तरात्मकाः 2 अङ्कौ	2=2	1	2	4
निबन्धात्मकाः 3 अङ्काः	1=1	1	3	3
निबन्धात्मकाः 5 अङ्काः	1=1	1	5	5
			आहत्याङ्काः	80

'क' भाग	:	
अपठित – अवब	ोधनम्	(10 अङ्काः)
1. एकः अपठितः गद्यांशः		10
80-100 शब्दपरिमितः गद्यांशः, सरलकथा वर्णनं वा		
<ul> <li>एकपदेन पूर्णवाक्येन च अवबोधनात्मकं कार्यम्</li> </ul>	(2+4)	
<ul><li>शीर्षकलेखनम्</li></ul>	(1)	
<ul> <li>अनुच्छेद – आधारितं भाषिकं कार्यम्</li> </ul>	(3)	
भाषिककार्याय तत्त्वानि -		
<ul> <li>✓ वाक्ये कर्तृ – क्रिया पदचयनम्</li> </ul>		
✓ कर्तृ-क्रिया-अन्वितिः		
✓ विशेषण – विशेष्य चयनम्		
🗸 पर्याय - विलोमपद - चयनम्		
<ul> <li>✓ सर्वनामस्थाने संज्ञाप्रयोगः</li> </ul>		
'ख' भाग	:	
रचनात्मकं व	<b>गर्यम्</b>	(15 अङ्काः)
2 औपचारिकम् अथवा अनौपचारिकं पूर्णपत्रलेखनम्		5
सम्भावितविषयाः 🗕		
<ul><li>औपचारिकम्</li></ul>		
अवकाशार्थम्, स्वच्छतायै स्वास्थ्यविभागाय, विद्युहि	ट्रेभागाय, वित्तकोषाय,	
आरक्षकालयाय, प्रकाशकाय इत्यादयः।		
<ul><li>अनौपचारिकम्-</li></ul>		
पित्राभ्याम्, वर्धापनपत्रम्, निमन्नणपत्रम्, परिणाम	सूचनापत्रम् इत्यादय।	
3. चित्राधारितं वर्णनम् अथवा अनुच्छेदलेखनम्		5
(मञ्जूषायाः सहायतया चित्रवर्णनम् अनुच्छेदलेखनं वा करः	णीयम्)	
4. हिन्दीभाषायाम् आङ्ग्लभाषायां वा लिखितानां पञ्चवाक्यान	र्गा संस्कृतभाषायाम् अनुवादः	5
्ग, आ	Τ:	
अनुप्रयुक्त-व्य	ाकरणम् <b></b>	(25 अङ्काः)
5. सन्धिकार्यम्		4
<ul><li>स्वरसन्धः - दीर्घः, गुण, वृद्धिः, यण्, अयादि</li></ul>		
<ul><li>व्यञ्जनसन्धिः –जश्लसन्धिः, 'म्' स्थाने अनुस्वारः</li></ul>		
<ul><li>विसर्गसन्धिः – उत्वम्, रत्वम्</li></ul>		

6. राज्यस्थाणि   > अकारा-तर्युल्लिङ्कराज्याः - बालकव्यक्   > इकारा-तर्युल्लिङ्कराज्याः - करिववत्   > उकारा-तर्युल्लिङ्कराज्याः - पितृवत्   > अकारा-तर्युल्लिङ्कराज्याः - पितृवत्   > अकारा-तर्योलिङ्कराज्याः - पितृवत्   > अकारा-तर्योलिङ्कराज्याः - पतिवत्   > अकारा-तर्योलिङ्कराज्याः - मतिवत्   > पर्तु गम्, वद्, भू. क्रीद्, नी. रण्, गस्, आस्, वृत दा, क्री. श्व. पतिवृत्तः - अस्त, युण्यद्, नतः, इसम्, क्रिम् (त्रियु लिङ्केषु)   7. धातुरूपाणि   > पर्तु, गम्, वद्, भू. क्री. हु. नी. रण्, गस्, अस्, क्रा. अस्, वृत्तः व्याप्तः, प्रवृत्तः व्याप्तः, प्रवृत्तः, यातः, प्रवृत्तः, व्याप्तः, यातः, यातः, व्याप्तः, व्याप्तः, यातः, व्याप्तः, यातः, व्याप्तः, यातः, यातः, व्याप्तः, यातः, यातः		
> इकारानर्पुल्लिङ्गाब्दाः – कविवत् > जकारानर्पुल्लिङ्गाब्दाः – पितृवत् > ककारानर्पुल्लिङ्गाब्दाः – पितृवत् > आकारानर्कालिङ्गाब्दाः – पितृवत् > ककारानर्कालिङ्गाब्दाः – मर्गवत् > ईकारानर्कालिङ्गाब्दाः – मर्गवत् > इकारानर्कालिङ्गाब्दाः – मर्गवत् > इकारानर्कालिङ्गाब्दाः – मर्गवत् > इकारानर्कालिङ्गाब्दाः – मर्गवत्   इहान्ताः - राजन्, भवत्, वद्ध्य, गुणिन्   सर्वनामशब्दाः – अस्मद्, ग्रुण्म्, तत्, इदम्, किम् (विषु लिङ्गेषु)   उस्तम्पणि   पर्वः, गम्, वद्, भू, क्रीड्, नी, दृष्ण, स्वरः, जा, अस्, कृ, या, क्री, खु, पापित्व), सेव्, लम् (पञ्चस् लकारेषु)   उक्तरक-उपपद-विभक्तः   प्रदेशः नम्, प्राप्तः, समया, निकाप, प्रति, विना   विद्वाया – उभयतः, श्रिकः, परितः, समया, निकाप, प्रति, विना   विद्वाया – उभयतः, श्रिकः, परितः, समया, निकाप, प्रति, विना   विद्वाया – उभयतः, श्रिकः, पी, रुष्ण, स्वर्तिः   पञ्चनी – विना, बहिः, पी, रुष्ण, कर्ते   पञ्चनि   पञ्चनी – विना, बहिः, पी, रुष्ण, कर्ते   पञ्चनि   पञ्चनि   विद्वाया विद्वायाः   उ   पञ्चनि – विद्या, विद्वायः, पृष्टः, निर्धारणे   पञ्चनि   विद्वायाः विद्वायाः   उ   अस्ययाः   अस्वन्यः तुपुन, ल्यप्, क्तव्यः, यतु, शानच्, क्त   उस्त्वाया – 1-100 (1-4 केवलं प्रथमा-विभक्ते)   2   उप्तर्याः   प्रथमाः (द्वाविरातिः)   2   अस्यवानि   प्रयान्तावेद्यत्ता, सर्वव्य, एकदा, पुरा, अधुना, अधु,खः,द्वाः   अस्त्वाधकानि – विन्, तुकः, कर्ते, कर्ते, कृतः, क्रुर्ग, अधुना, अधु,खः,द्वाः   अस्त्वाधकानि – विद्वः, तिर्वः, यथा, तथा, तथा, स्वयः, एव   प्राप्ताविद्यानम् अधिकृत्य अवबोधनामकं कार्यम्   प्राप्ताव्यामम् प्रथस्ववरम् प्रवावकानम् च प्रशोक्तराणि भाषिकार्यम्   अव्यव्यवन् पूर्णवाक्येन च प्रशोक्तराणि भाषिकार्यम्   अव्यवे कर्त् – क्रिया पद्धयनम्	6. शब्दरूपाणि	4
> जकारा-तर्युल्लिङ्गाळा: - साधुवत्         > ककारा-तर्युल्लिङ्गाळा: - पितृवत्         > ईकारा-तर्खालिङ्गाळा: - नर्तीवत्         > ककारा-तर्खालिङ्गाळा: - नर्तीवत्         > ककारा-तर्खालिङ्गाळा: - मातृवत         > हलता: - राजन, भवत, विदस, गुणिन्         > सर्वनामशळा: - अस्मइ, युण्मइ, तत, इदम, किम् (विषु तिङ्गेषु)         7. धातुरूपाणि         > पर, गम, वद, भ, क्रीइ, नी, इस, शक, जा, अस, कृ, दा, क्री, थ, पा(पित्य), सेव, तम (पज्यु लकारेषु)         8. कारक-उपपद-विभक्तयः         > दितीया - उभयतः, थिक्, पितः, समया, निकपा, प्रति, विना         > तृतीया - सह, साकम, समम, सार्थम, विना, अलम, सदश, हीन         > चतुर्यी - क्यू दा (यच्यु), नमः, कुप, लांदिः         > पछुर्यी - वित, अदेः, भी, रक्ष, क्रते         > पछुर्या - विता, अध, पुरतः, प्रतः, वान्यः, वान्यः, सर्वतः, यत्रः, स्वाः, यानच् कः         10. सङ्ख्या - 1-100 (1-4 केजलं प्रथमा-विभक्तो)       2         11. उपसर्गाः (द्वाविशतिः)       2         12. अच्यानि       भ्यानबोधकानि - अत्र, तत, अन्यत्र, सर्वत्र, एकत्र, उभयत्र, क्ष्युः, इतः, इतः, अन्यत्र, क्ष्यः, इतः, इतः, अन्यत्र, क्ष्यात्र, एकत्र, उभया, तत्र, सर्वत्र, एकत्र, उभयत्र, एक         > प्रत्नवोधकानि - वित्ते, वित्ते, त्रितः, त्रत्र, स्वया, त्रत्य, स्वया, स्वय, स्वयः, क्ष्यः, एक       5         अत्रताने - एकपदेन पूर्णवाक्षेत च प्रशीताणि       प्रत्याव्येत प्रते वित्ते स्वयः, प्रते स्वयः, वित्ते स्वयः, त्या, स्वयः, प्रते	<ul><li>अकारान्तपुँल्लिङ्गशब्दाः – बालकवत्</li></ul>	
<ul> <li>&gt; ऋकारा-तर्जुल्लिङ्गाब्दाः - पितृवत्</li> <li>&gt; आकारा-तर्ज्ञालिङ्गाब्दाः - लतावत्</li> <li>&gt; ईकारा-तर्ज्ञालिङ्गाब्दाः - नतावत्</li> <li>&gt; ऋकारा-तर्ज्ञालिङ्गाब्दाः - मातृवत्</li> <li>&gt; हल-ताः - राजन्, भवत, विद्वस् गुणिन्</li> <li>&gt; सर्वनामशब्दाः - अस्मद् , युष्मद्, तत्, इदम्, किम् (विषु लिङ्गेषु)</li> <li>7. धातुरूपाणि</li> <li>&gt; पठ्, गम्, वद्, भू, क्रीइ, नी, दश्, शक्, जा, अस्, कृ, दा, क्री, शु, पा(पिव्), सेव्, लम् (पद्यसु लकारेषु)</li> <li>3. कारक-उपपद-विभक्तयः</li> <li>&gt; दितीया - उम्पयतः, थिक्, परितः, समया, निकपा, प्रति, विता</li> <li>&gt; तृतीया - सह,साकम, समम्, साधम, विता, अलम्, सदश, हीन</li> <li>&gt; चतुर्धी - रुष, दा (यण्द्र), नमः, कुप, ब्लित</li> <li>&gt; पद्यमी - विता, बहिः, भी, रक्ष, ऋते</li> <li>&gt; पष्ठी - उपरि, अक्षः, पुतः, पुष्ठः, निधारणे</li> <li>&gt; ससमी- वित्र, निपुणः, विश्वस्, पदः।</li> <li>3.</li> <li>&gt; प्रत्यवाः</li> <li>&gt; कत्रा कत्वा, तुमुन, ल्यप, कतवतु, शतृ, शानच, कत</li> <li>10. सङ्ख्या - 1-100 (1-4 केवलं प्रथमा-विभक्ती)</li> <li>11. उपप्यामिः (द्वाविशतिः)</li> <li>2</li> <li>12. अव्ययानि</li> <li>&gt; स्थानबोधकानि - अत्र, तत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, यत्र, एकत्र, उभयत्र</li> <li>&gt; प्ररन्त्रबोधकानि - वप्त,तदा, सर्वत्र, एकता, पुग, अञ्चना, अञ्च,स्वः,द्वाः</li> <li>&gt; प्ररन्त्रबोधकानि - व्या,तदा, सर्वदा, एकता, पुग, अञ्चना, अञ्च,स्वः,द्वाः</li> <li>&gt; प्ररन्त्रबोधकानि - वस्तु, क्राते, करा, यथा, तथा, सम्यक्, एव</li> <li>'ध' भागः</li> <li>पठिताबबोधनम् (30 अङ्काः)</li> <li>13. गढाराम् अधिकृत्य अवबोधनासकं कार्यम् प्रश्रात्वात्तां</li> <li>भ वार्चो कर्तृ - क्रिया पदचयनम्</li> </ul>	<ul><li>इकारान्तपुँल्लिङ्गशब्दाः – कविवत्</li></ul>	
<ul> <li>&gt; आकारान्तर्स्नीलिङ्गुशब्दाः - लतावत्</li> <li>&gt; ईकारान्तर्स्नीलिङ्गुशब्दाः - नदीवत्</li> <li>&gt; ऋकारान्तर्स्नीलिङ्गुशब्दाः - मातृवत्</li> <li>&gt; हतन्तः: - राजन्, भवत्, विढस्, गुणिन्</li> <li>&gt; सर्वनामराख्याः - अस्मद्, गुण्मद्, तत्, इदम्, किम् (विषु लिङ्गेषु)</li> <li>7. धातुरूपाणि</li> <li>&gt; पठ्, गम्, वद्, भू, क्रीड्, नी, इस्, शक्, ज्ञा, अस्, कृ, दा, क्री, शु, पािषवृ), सेव, लम् (पञ्चसु लकारेषु)</li> <li>8. कारक-उपपद-विभक्तयः</li> <li>&gt; दितीया - उमयतः, धिक्, परितः, समया, निकपा, प्रति, विना</li> <li>&gt; तृतीया - अस्त्राकम्, समम्, सार्धम्, विज्ञा, अलम्, सहश्, हीन</li> <li>&gt; चतुर्यी - रुच्, दा (यच्छ्), नमः, कुण्, ख्वालि</li> <li>&gt; पद्यी - विना, बहि, भी, रह्, ऋते</li> <li>&gt; पष्ठी - उपरे, अधः, पुतः, पुवः, निर्धाणे</li> <li>&gt; सममी- वित्त, बहि, नीपुणः, विश्वस्त, पुदः।</li> <li>9. प्रत्ययाः</li> <li>&gt; कत्ता कता, तुमुन, त्यप्, कतवद्व, शतृ, शानच्, कत</li> <li>10. सङ्ख्या - 1-100 (1-4 केवलं प्रथमा-विभक्ते)</li> <li>11. उपसर्गाः (द्वित्वातिः)</li> <li>2</li> <li>12. अच्यानि</li> <li>&gt; स्थानबोधकानि - अत्र, तत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, एकत्र, उभयत्र</li> <li>&gt; काल्बोधकानि - यदा,तवा, सर्वदा, एकत्रा, पुतः, अधुना, अवः,खः; इः</li> <li>&gt; प्रस्तबोधकानि - विम्, कुत्र,कति,कदा,कुतः,कथम्, किमर्थम्</li> <li>&gt; अन्यानि - च, अपि, यदि, तर्हि, यया, तथा, सम्यक्, एव</li> <li>'घ' भागः</li> <li>पठिताबबोधनम्</li> <li>13. गद्यारम् अधिकृत्य अवबोधनासकं कार्यम्</li> <li>प्रत्राव्यतम् -</li> <li>अव्यार्वन - क्रिया पदचयनम्</li> </ul>	<ul><li>उकारान्तपुँल्लिङ्गशब्दाः – साधुवत्</li></ul>	
> ईकारा-तश्वीलिङ्गाब्दाः — मातृवत्         > क्रकारा-तश्वीलिङ्गाब्दाः — मातृवत्         > हलन्ताः - राजन्, भवत्, विद्वस्, गुणिन्         - धर्तनमाशब्दाः — अस्मद्, युष्मद, तत्, इदम्, किम् (त्रिषु लिङ्गेषु)         7. धातुरूपाणि       4         > पठ्, गम्, वद्, भू, क्रीह्, नी, दश्, शक्, जा, अस्, कृ, दा, क्री, थु, पा(पिद्य), सेव, लम् (पञ्चस्र लकारेषु)       4         8. कारक-उपपद-विभक्तयः       4         > वितीया — उभयतः, थिक्, परितः, समया, निकपा, प्रति, विना       6 वितीया — सह,साकम्, समम्, सार्थम्, विना, अलम्, सदश्, हीन       4         > वतुर्यी — रव, दा (यब्व्ह्), नमः, उप्, स्वत्ति       9 प्रश्रमी — विता, व्रिह, भी, रक्ष, ऋते       4         > पञ्ची — उपरि, अद्यः, पुरतः, पृष्ठतः, निर्वारणे       4       4         > पञ्ची — व्यरि, त्रा, पुरतः, पृष्ठतः, निर्वारणे       5       4         > प्रत्याः       9 प्रत्याः       10 <td><ul><li>ऋकारान्तपुँल्लिङ्गशब्दाः – पितृवत्</li></ul></td> <td></td>	<ul><li>ऋकारान्तपुँल्लिङ्गशब्दाः – पितृवत्</li></ul>	
> ऋकारा-तस्त्रीलिङ्ग्रण्डाः – मातृवत्         > हलताः - राजन्, भवत्, विद्वस्, गुणिन्         > सर्वनामशब्दाः – अस्मद्, युण्यद्, तत्, इदम्, किम् (त्रिषु लिङ्ग्रेषु)         7. धातुरूपाणि       पट्, राम, बद्, भू, क्रीड्, नी, द्रश्, शक्, जा, अस्, कृ, दा, क्री, थु, पा(पिव्), सेव्, लम् (पञ्चसु लकारेषु)         8. कारक-उपपद-विभक्तयः       4         > दितीया – उमयतः, धिक्, परितः, समया, निकषा, प्रति, विना       4         > वृतीया – यह, साकम्, समम्, सार्थम्, विना, अलम्, सदश्, हीन       9         > वर्गुर्था – रुष्, व (यञ्च्यु) , नमः, कुप्, व्लित       1         > पश्चमी – विना, बहिः, भी, रक्ष, क्रते       1         > पश्चमी – विना, बहिः, भी, रक्ष, क्रते       1         > प्रत्याः       3         > कवा कत्वा, तुमुन, ल्यप्, कतवतु, सतृ, प्रानच, कत्त       2         10. सङ्ख्या – 1-100 (1-4 केवलं प्रथमा-विभक्ती)       2         11. उपसर्गाः (द्वाविशतिः)       2         12. अव्ययानि       > स्थानबोधकानि – अत्र, तत्र, अन्यत्र, सर्वत, प्रत, प्	<ul><li>आकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दाः - लतावत्</li></ul>	
▶ हलताः - राजन, भवत, विद्वस्, गुणिन्       > सर्वनामशब्दाः – अस्मद्, युष्मद्, तत्, इदम्, किम् (त्रिषु तिद्वेषु)         7. धातुरूपाणि       > पर्, गम्, वद्, भू., क्रीड्, नी, दृष्ण, शक्, जा, अस्, कृ, दा, क्री, श्रु, पा(पिव्), सेव्, लम् (पञ्चसु लकारेषु)         8. कारक-उपपद-विभक्तयः       4         > दितीया – उभयतः, धिक्, परितः, समया, निकषा, प्रति, विना       > तृतीया – यह,साकम्, समम्, साधम्, विता, अलम्, सदृश्, हीन       > वृद्धां – श्यु व्या (यव्यु), नमः, कृप, स्वित्तं         > पञ्चां – विना, विहः, भी, रृष्ण, पृष्वतः, निर्धारणे       > पञ्चां – उपरि, अधः, पुरा, पृष्वतः, निर्धारणे       > असमी- विद्वह, निपुणः, विश्वस्, पुर ।         9. प्रत्ययाः       3         • कवा कवा, तुमुन, त्यप्, क्तवतु, शतृ, शानच्, क्त       2         11. उपस्पाः (द्वाविशतिः)       2         12. अव्ययानि       > श्वाववोधकानि – अत्र, तत्र, अत्यत्र, सर्वत्र, एकत्, उपमय         • कालबोधकानि – यत्र, तदा, सर्वदा, एकदा, पुरा, अधुना, अधु, खः, हाः       > प्रत्नबोधकानि – कम्, कृत्र, करि, यया, तथा, सम्यक्, एव         'घ' भागः       पठिताबबोधनम्       (30 अङ्काः)         13. गद्धांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्       5         प्रश्रप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्रोत्तराणि       भाष्वे कर्त् – क्रिया पदचयनम्	<ul><li>ईकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दाः – नदीवत्</li></ul>	
➤ सर्वनामशब्दाः – अस्मद्, युष्मद्, तत्, इदम्, किम् (त्रिषु लिङ्गेषु)       4         7. धातुरूपाणि       ➤ पठ्, गम्, बद्, भू, क्रीड्, नी, डग, शक्, जा, अस्, कृ, दा, क्री, श्रु, पा(पव), सेव्, लम् (पञ्चसु लकारेषु)       4         8. कारक-उपपद-विभक्तयः       4         ➤ द्वितीया – उमयतः, धिक्, परितः, समया, निकपा, प्रति, विना       4         ➤ तृतीया – सह, साकम्, समम्, सार्थम्, विना, अलम्, सहरा, हीन       > चतुर्यी – रुच्, दा (यच्छ्), नमः, कुप्, स्वस्ति       > पञ्चनी – विना, बहिः, भी, रस्, ऋते         ➤ पञ्ची – उपरि, अधः, पुरतः, पुष्ठतः, निर्धारणे       > सममी- लिङ्, निपुणः, विश्वस्, पदु ।       3         9. प्रत्ययः       3         > कत्व कत्वा, तुमुन, ल्यप्, कतवतु, रातृ, राानच्, कत       2         10. सङ्ख्या – 1-100 (1-4 केवलं प्रथमा-विभक्ती)       2         11. उपसर्गाः (द्वाविरातिः)       2         12. अव्ययानि       > स्थानबोधकानि – अत्र, तत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, यत्र, एकत्र, उभयत्र         > कालबोधकानि – वत्र, तत्र, सर्वत, एकदा, पुरा, अधुना, अद्य, उद्यः, द्वाः       > प्रत्नवोधकानि – कम्, कुत्र, कति, कदा, कुतः, कथम्, किमर्थम्         > प्रत्नवोधकानि – च, अपि, यदि, तर्हि, यथा, तथा, सम्यक्, एव       'ख' भागः         पठिताबबोधनम् (30 अङ्काः)       5         13. गढाशम् अधिकृत्य अवबोधनास्मकं कार्यम् प्रश्रक्ताराणि भाषिककार्यम् – अवाक्वे वर्त् – क्रिया पदचयनम्       > वाक्वे वर्त् – क्रिया पदचयनम्	<ul><li>ऋकारान्तस्त्रीलिङ्गशब्दाः – मातृवत्</li></ul>	
7. धातुरूपाणि	<ul><li>हलन्ताः - राजन्, भवत्, विद्वस्, गुणिन्</li></ul>	
<ul> <li>७ पठ्, गम्, बद, भू, क्रीइ, नी, दश, शक्, जा, अस, कृ, दा, क्री, थु, पा(पिद्य), सेब, लम् (पञ्चसु लकारेपु)</li> <li>8. कारक-उपपद-विभक्तयः</li></ul>	<ul> <li>सर्वनामशब्दाः – अस्मद्, युष्मद्, तत्, इदम्, किम् (त्रिषु लिङ्गेषु)</li> </ul>	
<ul> <li>▶ परु, गम, वद, भू, क्रीइ, नी, इश, शक्, ज्ञा, अस, कृ, दा, क्री, शु, पा(पिव), सेव, लमृ (पञ्चसु लकारेषु)</li> <li>8. कारक-उपपद-विमक्तयः <ul> <li>▶ द्वितीया – उभयतः, थिक्, परितः, समया, निकषा, प्रति, विना</li> <li>&gt; तृतीया – सह,साकम्, सममृ, सार्धम्, विना, अलम्, सहश, हीन</li> <li>&gt; चतुर्थी – रुच, दा (यच्छु), नमः, कुप्, खित्तः</li> <li>&gt; पञ्चमी – विना, बहिः, भी, रक्ष, ऋते</li> <li>&gt; पष्टी – उपरि, अधः, पुरतः, पृष्ठतः, निर्धारणे</li> <li>&gt; सतमी- विह्, निपुणः, विश्वस्, पद्द ।</li> <li>9. प्रत्ययाः</li> <li>&gt; कत्त्रव कत्वा, तुमुन, ल्यप्, कत्तवतु, शतु, शानम्, कत</li> <li>10. सङ्ख्या – 1-100 (1-4 केवलं प्रथमा-विभक्ती)</li> <li>11. उपसर्णाः (द्वाविशतिः)</li> <li>2</li> <li>12. अव्ययानि</li> <li>&gt; स्थानबोधकानि – अत्र, तत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, यत्र, एकत्र, उभयत्र</li> <li>&gt; कालबोधकानि – वदा,तदा, सर्वदा, एकदा, पुरा, अधुना, अद्य,स्वः,द्वाः</li> <li>&gt; प्रत्नबोधकानि – किम्,कुत्र,कर्ति,कदा,कुतः,कथम्, किमर्थम्</li> <li>&gt; अन्यानि – च, अपि, यदि, तर्दिं, यथा, तथा, सम्यक्, एव</li> <li>'घ' भागः</li> <li>पठितावबोधनम्</li> <li>13. गद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनासकं कार्यम्</li> <li>प्रश्रक्राराः – एकपदेन पूर्णवाक्तेन च प्रशोत्तराणि</li> <li>भाषिककार्यम् –</li> <li>&gt; वाक्ये कर्त् – क्रिया पदचयनम्</li> </ul> </li> </ul>	7. धातुरूपाणि	4
पा(पिव), सेव, लभ् (पञ्चसु लकारेषु)  8. कारक-उपपद-विभक्तयः    द्वितीया — उभयतः, थिक्, परितः, समया, निकषा, प्रति, विना   तृतीया — सइ, साकम्, समम्, सार्धम्, विना, अलम्, सहरा, हीन   चतुर्थी — रुष्, दा (यच्छ्), नमः, कुप्, स्वस्ति   पञ्चमी — विना, बहिः, भी, रक्ष्, ऋते   पश्ची — उपरि, अधः, पुरतः, पृष्ठतः, निर्धारणे   ससमी- विह्, निपुणः, विश्वस्, पद्द।   3. प्रत्ययाः   अस्वा कर्त्वा, तुमुन्, ल्यप्, क्तवतु, रातृ, रागन्य, क्त   10. सङ्ख्या — 1-100 (1-4 केवलं प्रथमा-विभक्तौ) 2   11. उपस्रगाः (द्वाविरातिः) 2   12. अव्ययानि   स्थानबोधकानि — अत्र, तत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, यत्र, एकत्र, उभयत्र   कालबोधकानि — यदा,तदा, सर्वदा, एकदा, पुरा, अधुना, अद्य,स्वः,द्वाः   प्रत्नवोधकानि — किम्,कुत्र,कति,कदा,कुतः,कथम्, किमर्थम्   अन्यानि — च, अपि, यदि, तर्तिः, यथा, तथा, सम्यक्, एव		
<ul> <li>हितीया – उमयतः, थिक्, परितः, समया, निकषा, प्रति, विना</li> <li>तृतीया – सह,साकम्, समम्, सार्धम्, विना, अलम्, सदश, हीन</li> <li>चतुर्थी – रुच, दा (यच्छ्), नमः, कुप्, स्वस्ति</li> <li>पञ्चमी – विना, बिहः, भी, रक्ष, ऋते</li> <li>पण्छी – उपरि, अधः, पुरतः, पृष्ठतः, निर्धारणे</li> <li>सममी- स्विह, निपुणः, विश्वस्, पद ।</li> <li>प्रत्ययाः</li> <li>कत्त्वा कत्त्वा, तुमुन्, रूथप्, कत्तवतु, शतृ, शानच्, कत्त</li> <li>सङ्ख्या – 1-100 (1-4 केवलं प्रथमा-विभक्तौ)</li> <li>उपसर्गाः (द्वाविंशतिः)</li> <li>अव्ययानि</li> <li>स्थानबोधकानि – अत्र, तत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, यत्र, एकत्र, उभयत्र</li> <li>कालबोधकानि – अत्र, तत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, पुरा, अधुना, अद्युन्तः, इदः, इः</li> <li>प्रश्नबोधकानि – किम्,कुत्र,कति,कदा,कुतः,कथम्, किमर्थम्</li> <li>अन्यानि – च, अपि, यदि, तर्हि, यथा, तथा, सम्यक्, एव</li> <li>"व" भागः</li> <li>पठितावबोधनम् (30 अङ्काः)</li> <li>राग्रांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्</li> <li>प्रक्षप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि</li> <li>भाषिककार्यम् –</li> <li>वाक्ये कर्तृ – क्रिया पदचयनम्</li> </ul>		
<ul> <li>हितीया – उभयतः, थिक्, परितः, समया, निकषा, प्रति, विना</li> <li>तृतीया – सह,साकम्, समम्, सार्धम्, विना, अलम्, सहश, हीन</li> <li>चतुर्थी – रुच, दा (यच्छ्), नमः, कुप्, स्वस्ति</li> <li>पञ्जमी – विना, बिहः, भी, रक्ष, ऋते</li> <li>पष्ठी – उपरि, अधः, पुरतः, पुष्ठतः, निर्धारणे</li> <li>सममी- स्त्रिह, निपुणः, विश्वस्, पटु ।</li> <li>प्रत्ययाः</li> <li>कत्त्वा कत्वा, तुमुन, रूपप्, क्तवतु, शात् , शानच्, क्त</li> <li>सङ्ख्या – 1-100 (1-4 केवलं प्रथमा-विभक्तौ)</li> <li>उपसर्गाः (द्वाविशतिः)</li> <li>अव्ययानि</li> <li>स्थानबोधकानि – अत्र, तत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, यत्र, एकत्र, उभयत्र</li> <li>कालबोधकानि – यदा,तदा, सर्वदा, एकदा, पुरा, अधुना, अद्य, स्वः, इः</li> <li>प्रश्नबोधकानि – कम्,कुत्र,कित्ते,कदा,कुतः,कथम्, किमर्थम्</li> <li>अन्यानि – च, अपि, यदि, तर्हि, यथा, तथा, सम्यक्, एव</li> <li>भागः</li> <li>पठितावबोधनम् (30 अङ्काः)</li> <li>राशंशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्</li> <li>प्रक्षत्रकारः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि</li> <li>भाषिककार्यम् –</li> <li>वाक्ये कर्तृ – क्रिया पदचयनम्</li> </ul>	8. कारक-उपपद-विभक्तयः	4
<ul> <li>चतुर्थी – रुच, दा (यच्छ्), नमः, कुप, स्वस्ति</li> <li>पञ्चमी – विना, बिहः, भी, रक्ष, ऋते</li> <li>पछी – उपिर, अधः, पुरतः, पृष्ठतः, निर्धारणे</li> <li>सप्तमी- स्विह, निपुणः, विश्वस्, पटु।</li> <li>प्रत्ययाः</li> <li>कस्वा कस्वा, तुमुन, ल्यप्, क्तवतु, शत्, शानच्, क्त</li> <li>त्यस्ख्या – 1-100 (1-4 केवलं प्रथमा-विभक्तौ)</li> <li>उपसर्णाः (द्वाविंशतिः)</li> <li>अव्ययानि</li> <li>स्थानबोधकानि – अत्र, तत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, यत्र, एकत्र, उभयत्र</li> <li>कालबोधकानि – यदा,तदा, सर्वदा, एकदा, पुरा, अधुना, अद्य,स्वः,द्वाः</li> <li>प्रश्नबोधकानि – किम्,कुत्र,कति,कदा,कुतः,कथम्, किमर्थम्</li> <li>अन्यानि – च, अपि, यदि, तिई, यथा, तथा, सम्यक्, एव</li> <li>भागः</li> <li>पठिताबबोधनम्</li> <li>गुत्रप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि</li> <li>भाषिककार्यम् –</li> <li>वाक्ये कर्तृ – क्रिया पदचयनम्</li> </ul>	<ul> <li>द्वितीया – उभयतः, धिक्, परितः, समया, निकषा, प्रति, विना</li> </ul>	~
> पञ्चमी – विना, बहिः, भी, रक्ष, ऋते         > पछी – उपिर, अधः, पुरतः, पृष्ठतः, निर्धारणे         > सप्तमी- स्त्रिह, निपुणः, विश्वस्, पटु।         9. प्रत्ययाः       3         > कला कला, तुमुन, ल्यप्, क्तवतु, शतु, शानच्, क्त       2         10. सङ्ख्या – 1-100 (1-4 केवलं प्रथमा-विभक्तौ)       2         11. उपसर्गाः (द्वाविंशतिः)       2         12. अच्ययानि       2         > कालबोधकानि – अत्र, तत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, यत्र, एकत्र, उभयत्र       >         > कालबोधकानि – यदा,तदा, सर्वदा, एकदा, पुरा, अधुना, अधुन्य, अधुन्य, इतः, इः       >         > प्रश्नबोधकानि – किम्, कुत्र,कित्,कदा,कुतः,कथम्, किमर्थम्       >         > अन्यानि – च, अपि, यदि, र्तार्ह, यथा, तथा, सम्यक्, एव       'घ' भागः         पठितावबोधनम्       (30 अङ्काः)         13. गद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्       5         प्रश्रप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्लोत्तराणि       भाषिककार्यम् –         > वाक्ये कर्तृ – क्रिया पदचयनम्	<ul> <li>तृतीया – सह,साकम्, समम्, सार्धम्, विना, अलम्, सदश, हीन</li> </ul>	
▶ षधी – उपिर, अधः, पुरतः, पृष्ठतः, तिर्धारणे       ३         ▶ स्तममी- स्त्रिह, तिपुणः, विश्वस्, पटु।       3         9. प्रत्ययाः       3         ▶ क्तवा कत्वा, तुमुन, ल्यप्, कतवतु, शतृ, शानच्, कत       2         10. सङ्ख्या – 1-100 (1-4 केवलं प्रथमा-विभक्तौ)       2         11. उपसर्गाः (द्वाविशतिः)       2         12. अव्ययानि       १         ० कालबोधकानि – अत्र, तत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, यत्र, एकत्र, उभयत्र       १         ० प्रत्नबोधकानि – वदा,तदा, सर्वदा, एकदा, कुतः, कथम्, किमर्थम्       १         ० अन्यानि – च, अपि, यदि, तर्ति, यथा, तथा, सम्यक्, एव       13. गद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्       5         प्रात्रप्रत्रारः – एकपदेन पूर्णवाकोन च प्रश्रोत्तराणि       भाषिककार्यम् –       ३         भाषिककार्यम् –       १       वाको कर्तृ – क्रिया पदचयनम्	<ul> <li>चतुर्थी – रुच्, दा (यच्छ्), नमः, कुप्, स्वस्ति</li> </ul>	
<ul> <li>★ सप्तमी- चिह्, निपुणः, विश्वस्, पटु।</li> <li>9. प्रत्ययाः         <ul> <li>★ कत्वा कत्वा, तुमुन्, ल्यप्, क्तवतु, शतृ, शानच्, क्त</li> </ul> </li> <li>10. सङ्ख्या - 1-100 (1-4 केवलं प्रथमा-विभक्तौ)         <ul> <li>11. उपसर्गाः (द्वाविंशतिः)</li> <li>2</li> <li>12. अव्ययानि</li> <li>★ स्थानबोधकानि - अत्र, तत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, यत्र, एकत्र, उभयत्र</li> <li>★ कालबोधकानि - यदा,तदा, सर्वदा, एकदा, पुरा, अधुना, अद्य,खः,द्वः</li> <li>★ प्रश्नवोधकानि - किम्,कुत्र,कित्,कदा,कुतः,कथम्, किमर्थम्</li> <li>★ अन्यानि - च, अपि, यदि, तर्हि, यथा, तथा, सम्यक्, एव</li> <li>*ध* भागः</li> <li>पठितावबोधनम्</li> <li>(30 अङ्काः)</li> </ul> </li> <li>13. गद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्             <ul> <li>प्रश्रप्रकाराः - एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्रोत्तराणि</li> <li>भाषिककार्यम् -</li> <li>▼ वाक्ये कर्तृ - क्रिया पदचयनम्</li> </ul> </li> </ul>	<ul><li>पञ्चमी – विना, बहिः, भी, रक्ष्, ऋते</li></ul>	
9. प्रत्ययाः	<ul><li>षष्ठी – उपिर, अधः, पुरतः, पृष्ठतः, निर्धारणे</li></ul>	
▶ करवा करवा, तुमुन, ल्यप्, करवातु, शतु, शानच्, कर्त       2         10. सङ्ख्या - 1-100 (1-4 केवलं प्रथमा-विभक्तौ)       2         11. उपसर्गाः (द्वाविंशतिः)       2         12. अञ्चयानि       > स्थानबोधकानि - अत्र, तत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, यत्र, एकत्र, उभयत्र         > कालबोधकानि - यदा,तदा, सर्वदा, एकदा, पुरा, अधुना, अद्य, अद्यः, द्वाः       > प्रश्नवोधकानि - किम्,कुत्र,कित्,कदा,कुतः,कथम्, किमर्थम्         > अन्यानि - च, अपि, यदि, तिर्हे, यथा, तथा, सम्यक्, एव       'घ' भागः         पठितावबोधनम्       (30 अङ्काः)         13. गद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्       5         प्रअप्रकाराः - एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्लोत्तराणि       भाषिककार्यम् -         > वाक्ये कर्तृ - क्रिया पदचयनम्	<ul><li>सप्तमी- स्त्रिह्, निपुणः, विश्वस्, पटु ।</li></ul>	
10. सङ्ख्या - 1-100 (1-4 केवलं प्रथमा-विभक्तौ)  11. उपसर्गाः (द्वाविंशतिः)  12. अव्ययानि	9. प्रत्ययाः	3
10. सङ्ख्या - 1-100 (1-4 केवलं प्रथमा-विभक्ती)  11. उपसर्गाः (द्वाविंशतिः)  12. अव्ययानि	<ul><li>ऋवा ऋवा, तुमुन्, ल्यप्, ऋतवतु, शातृ, शानच्, क्त</li></ul>	
11. उपसर्गाः (द्वाविंशतिः)  12. अव्ययानि	10. सङ्ख्या - 1-100 (1-4 केवलं प्रथमा-विभक्तौ)	
12. अव्ययानि		1
<ul> <li>कालबोधकानि – यदा,तदा, सर्वदा, एकदा, पुरा, अधुना, अद्य,श्वः,द्वाः</li> <li>प्रश्नबोधकानि – किम्,कुत्र,कित,कदा,कुतः,कथम्, किमर्थम्</li> <li>अन्यानि – च, अपि, यदि, तिर्हें, यथा, तथा, सम्यक्, एव</li> <li>'घ' भागः</li> <li>पठितावबोधनम् (30 अङ्काः)</li> <li>13. गद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्</li> <li>प्रश्रप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्रोत्तराणि</li> <li>भाषिककार्यम् –</li> <li>वाक्ये कर्तृ – क्रिया पदचयनम्</li> </ul>	12. अव्ययानि	2
<ul> <li>प्रश्नबोधकानि – किम्,कुत्र,कित,कदा,कुतः,कथम्, किमर्थम्</li> <li>अन्यानि – च, अपि, यदि, तिर्हे, यथा, तथा, सम्यक्, एव</li> <li>'घ' भागः</li> <li>पठितावबोधनम् (30 अङ्काः)</li> <li>13. गद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्</li> <li>प्रश्रप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्रोत्तराणि</li> <li>भाषिककार्यम् –</li> <li>े वाक्ये कर्तृ – क्रिया पदचयनम्</li> </ul>	<ul> <li>स्थानबोधकानि – अत्र, तत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, यत्र, एकत्र, उभयत्र</li> </ul>	
<ul> <li>अन्यानि – च, अपि, यदि, तर्हि, यथा, तथा, सम्यक्, एव</li></ul>	<ul><li>कालबोधकानि – यदा,तदा, सर्वदा, एकदा, पुरा, अधुना, अद्य, ह्यः</li></ul>	
'घ' भागः	<ul> <li>प्रश्नबोधकानि – किम्,कुत्र,कित्,कदा,कुतः,कथम्, किमर्थम्</li> </ul>	
पठितावबोधनम् (30 अङ्काः)  13. गद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्  प्रश्रप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्रोत्तराणि  भाषिककार्यम् –  ➤ वाक्ये कर्तृ – क्रिया पदचयनम्	<ul> <li>अन्यानि – च, अपि, यदि, तर्हि, यथा, तथा, सम्यक्, एव</li> </ul>	
13. गद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्  प्रश्रप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्रोत्तराणि  भाषिककार्यम् –  ➤ वाक्ये कर्तृ – क्रिया पदचयनम्	'घ' भागः	·
प्रश्रप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्रोत्तराणि भाषिककार्यम् –  ➤ वाक्ये कर्तृ – क्रिया पदचयनम्	पठितावबोधनम्	(30 अङ्काः)
भाषिककार्यम् –  > वाक्ये कर्तृ – क्रिया पदचयनम्	13. गद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्	5
➤ वाक्ये कर्तृ – क्रिया पदचयनम्	प्रश्रप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्रोत्तराणि	
	भाषिककार्यम् –	
विशेषण – विशेष्य चयनम्	<ul> <li>वाक्ये कर्तृ – क्रिया पदचयनम्</li> </ul>	
	<ul> <li>विशेषण – विशेष्य चयनम्</li> </ul>	

<ul><li>पर्याय – विलोमपद – चयनम्</li></ul>		
14. पद्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्	5	
प्रश्नप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि		
भाषिककार्यम् –		
<ul><li>वाक्ये कर्तृ – क्रिया पदचयनम्</li></ul>		
<ul><li>विशेषण – विशेष्य चयनम्</li></ul>		
<ul><li>पर्याय – विलोमपद – चयनम्</li></ul>		
15. नाट्यांशम् अधिकृत्य अवबोधनात्मकं कार्यम्	5	
प्रश्नप्रकाराः – एकपदेन पूर्णवाक्येन च प्रश्नोत्तराणि		
भाषिककार्यम् –		
<ul><li>वाक्ये कर्तृ – क्रिया पदचयनम्</li></ul>		
<ul><li>विशेषण – विशेष्य चयनम्</li></ul>		
<ul><li>पर्याय – विलोमपद – चयनम्</li></ul>		
16. वाक्येषु रेखाङ्कितपदानि अधिकृत्य उचितप्रश्ननिर्माणम्	5	
17. श्लोकान्वयः/ एकस्य श्लोकस्य संस्कृतेन भावार्थलेखनम्	2	
18. घटनाक्रमानुसारं कथालेखनम्	4	
19. (क) प्रसङ्गानुसारम् अर्थचयनम्	2	
(ख) शब्दानाम् अर्थैः सहमेलनम्	2	
(पाठान् आधृत्य लघूत्तरात्मकाः प्रश्नाः)		

पाठसङ्ख्या	पाठनाम
प्रथमः पाठः	भारतीवसन्तगीतिः
द्वितीयः पाठः	स्वर्णकाकः
तृतीयः पाठः	गोदोहनम्
पञ्चमः पाठः	सूक्तिमौक्तिकम्
षष्टः पाठः	भ्रान्तो बालः
नवमः पाठः	सिकतासेतुः
दशमः पाठः	जटायोः शौर्यम्
एकादशः पाठः	पर्यावरणम्
द्वादशः पाठः	वाङ्मनः प्राणस्वरूपम्

#### निर्धारित – पाठ्यपुस्तकानि –

- 'शेमुषी' प्रथमो भागः, पाठ्यपुस्तकम् , संशोधितसंस्करणम् (प्रकाशनम् – रा.शै.अनु.प्र.परि. द्वारा)
- 'अभ्यासवान् भव'-प्रथमो भागः व्याकरणपुस्तकम् (प्रकाशनम् – रा.शै.अनु.प्र.परि. द्वारा)
- 'व्याकरणवीथिः'- व्याकरणपुस्तकम्
   (प्रकाशनम् रा.शै.अनु.प्र.परि. द्वारा)

# अवधेयम् -

\* अनुप्रयुक्तव्याकरणस्य अंशानां चयनं यथासम्भवं 'शेमुषी-प्रथमो भागः इति' पाठ्यपुस्तकात् करणीयम् । यदि ततः न सम्भवति तर्हि 'अभ्यासवान् भव-प्रथमो भागः' इत्यस्मात् कर्तुं शक्यम् ।

	Chantan Q. Matian (Camanda)	$MCQ-1 \times 4 = 4 \text{ marks}$
	• Chapter 8: Motion (6 marks)	Descriptive- $1 \times 1 = 1$ marks
	• Chapter 9: Force and Laws of	_
	motion (5 marks)	$2 \times 1 = 2 \text{ marks}$
	(* 22.2.2.)	$3 \times 3 = 9 \text{ marks}$
Physics	Chapter 10: Gravitation	$4 \times 1 = 4 \text{ marks}$
Thysics	(4 marks)	$5 \times 1 = 5 \text{ marks}$
	<ul> <li>Chapter 11: Work and Energy</li> </ul>	T / 1 25
	(6 marks)	Total: 25 marks
	• Chapter 11: Sound	
	(4 marks)	
	Ch 1: Matter in our Surroundings (5 Marks)	MCQ: 1 mark x $7 = 7$ marks
		ARQ: 1 mark $x$ 1 = 1 marks
	Ch 2: Is matter around us pure (5 Marks)	SAQ: 2 marks $x = 2$ marks
Chemistry	Ch 3: Atoms and Molecules (8 Marks)	3 marks x $2 = 6$ marks LAQ: 5 marks x $1 = 5$ marks
	Cli 3. Atoms and Wolecules (8 Warks)	CBQ: 4 marks $\times 1 = 3$ marks
	Ch 4: Structure of Atom (7 Marks)	(
	, ,	Total = 25 marks
	Chapter 5 : THE FUNDAMENTAL UNIT	MCQ:
	OF LIFE	1 X 7= 7 marks
Biology	Chapter 6 :TISSUES Chapter 15 : IMPROVEMENT IN FOOD	DESCRIPTIVE: 2 X 4=8 marks
Biology	RESOURCES	3 X 2=6 marks
	ALSO CREES	$4 \times 1 = 4 \text{ marks}$
		5 X 1= 5 marks
	I. The French Revolution	MCQ: 1x4= 4
	II. Socialism in Europe and the	marks
	Russian Revolution	DESCRIPTIVE:
	III. Nazism and the Rise of Hitler	Very Short Answer Question: 2x1= 2 marks
History	IV. Forest Society and Colonialism	Short Answer Based Question: 3x1= 3 marks
	Pastoralists in the ModernWorld	Long Answer Based Question: 5x1= 5 marks
		Case-based Question: 4 marks
		Map Skill Based Question: 1x2= 2 marksTotal =
		20 marks
	NAME OF THE TEXTBOOK-	MADES DISTRIBUTION (Total montes = 20)
	DEMOCRATIC POLITICS-I	MARKS DISTRIBUTION (Total marks =20)
	• CH 1: WHAT IS DEMOCRACY?	1.MCQ
	WHY DEMOCRACY?	6 marks-(CH 1 & Ch 2)
	CH 2: CONSTITUTIONAL	
	DESIGN	2.Paragraph Based Question
	CH 4: WORKING OF	4 marks (CH 3)
Civics	CH 4: WORKING OF     INSTITUTIONS	3.
	CH 5: DEMOCRATIC RIGHTS	Very Short Answer Question
		Short Answer Based Question
		<ul> <li>Long Answer Based question</li> <li>marks (CH 4&amp; CH 5)</li> </ul>
		10 marks (CII to CII 3)

Geography	Chapter 1: India-size and Liocation Chapter 2: Physical Features of India Chapter 3: Drainage Chapter 4: Climate Chapter 5: Natural Vegetation and Wildlife Chapter 6: Population  1 x 3 = 3 Marks (MCQ) 2 x 1 = 2 Marks (Short Answer Question) 3 x 1 = 3 Marks (Short Answer Question) 5 x 1 = 5 Marks (Long Answer Question) 4 x 1 = 4 Marks (Source based question) 1 x 3 = 3 Marks (MCQ)  Total = 20 Marks	
Economics	NAME OF THE TEXTBOOK- ECONOMICS  CH 1: THE STORY OF VILLAGE PALAMPUR CH 2: PEOPLE AS RESOURCE CH 3: POVERTY AS A CHALLENGE CH 4: FOOD SECURITY IN INDIA  MARKS DISTRIBUTION (Total marks =20)  1.MCQ 1x7=7 marks 2. Very Short Answer Question 2x1=2 marks 3.Short Answer Based Question Long Answer Based question *** Chapter-1 Only MCQ *** Chapters 2,3 and 4- Short and long questions. 3x2=6 marks 5x1=5 marks	
Information Technology	Class-9 Final Exam Blue Print and Syllabus  Total Marks-100 Theory 50 Practical 30 Competency Questions 20  Theory Chapters:-50 Marks  i. Basic ICT Skills(Session-1,2,3,4,6,7) ii. Green Skills (All Sessions) iii. Data entry and keyboarding skills(All Sessions) MCQ & CBQ:- i. Communication Skills(All Sessions) ii. Self management skills(All Sessions) iii. Entrepreneurial skills(All Sessions) iv. IT-ITeS industry(All Sessions)  Practical Chapters:-30 Marks  i. Digital Documentation(All Sessions) iii. Electronic Spreadsheet(All Sessions) iii. Digital Presentation(All Sessions)	